>

Title: Need to expedite construction of Kusha dam On India-Nepal Border for preventing recurring floods in Bihar .

***श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (मधेपुरा) :** महोदय, पिछले महीने अगस्त में भारत-नेपाल सीमा पर कुसहा बांध टूटने से कोसी का कहर बिहार के छः जिलों में देखा गया। केन्द्र के द्वारा राष्ट्रीय आपदा घोषित कर एक बड़ी रकम देकर सहारा दिया गया, परंतु केन्द्र की राशि एवं अनाज प्रभावितों के बीच सही रूप से नहीं पहुंच पाई। इतना ही नहीं, बिना पुनर्वास की व्यवस्था किए ही शिविरों को बंद कर दिया गया। अभी भी लाखों लोग बेघर हैं। मृतकों की सही सूची नहीं बनायी गयी न तो आश्रितों को मुआवजा दिया गया। कटे बांध को बांधना अत्यावश्यक है। नहीं बांधने पर छः माह बाद पुनः कोसी अपना कहर इन प्रभावितों पर ढाएगी।

अतः आग्रह है कि मेरे द्वारा दर्शाये गए सभी बिन्दुओं की जांच संसदीय टीम से करायी जाए तथा स्थानीय सांसद की देख-रेख में कार्य को सम्पादित कराया जाए।

* Treated as laid on the Table.